बंदर का चश्मा

एक बंदर खाने की तलाश में मकान की छत पर चढ़ा। वहाँ उसे एक चश्मा मिला। चश्मा पहनकर बंदर को सब उल्टा दिखने लगा। बंदर बोला– ‘‘अरे! ये क्या, आसमान नीचे और ज़मीन ऊपर!’’ बादलों को नीचे देख बंदर को बहुत मज़ा आया।

वह छत से बादल पकड़ने के लिए नीचे कूदा और गिरा धड़ाम....। बंदर का चश्मा भी टूटा चटाक....। अब बंदर को न बादल दिखे और न आसमान!

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com